QUESTION

Q1. Arrange the following Gupta kings in chronological sequence? / निम्नलिखित गुप्त राजाओं को कालानुक्रमिक अनुक्रम में व्यवस्थित करें?

1. Kumaragupta / कुमारगुप्त
2. Skandagupta / स्कंदगुप्त
3. Sri Gupta / श्रीगुप्त
4. Chandragupta II / चंद्रगुप्त द्वितीय

A. 3, 4, 1, 2
B. 1, 2, 3, 4
C. 2, 4, 2, 1
D. None of these/इनमे से कोई नहीं

[IB ACIO 2025]

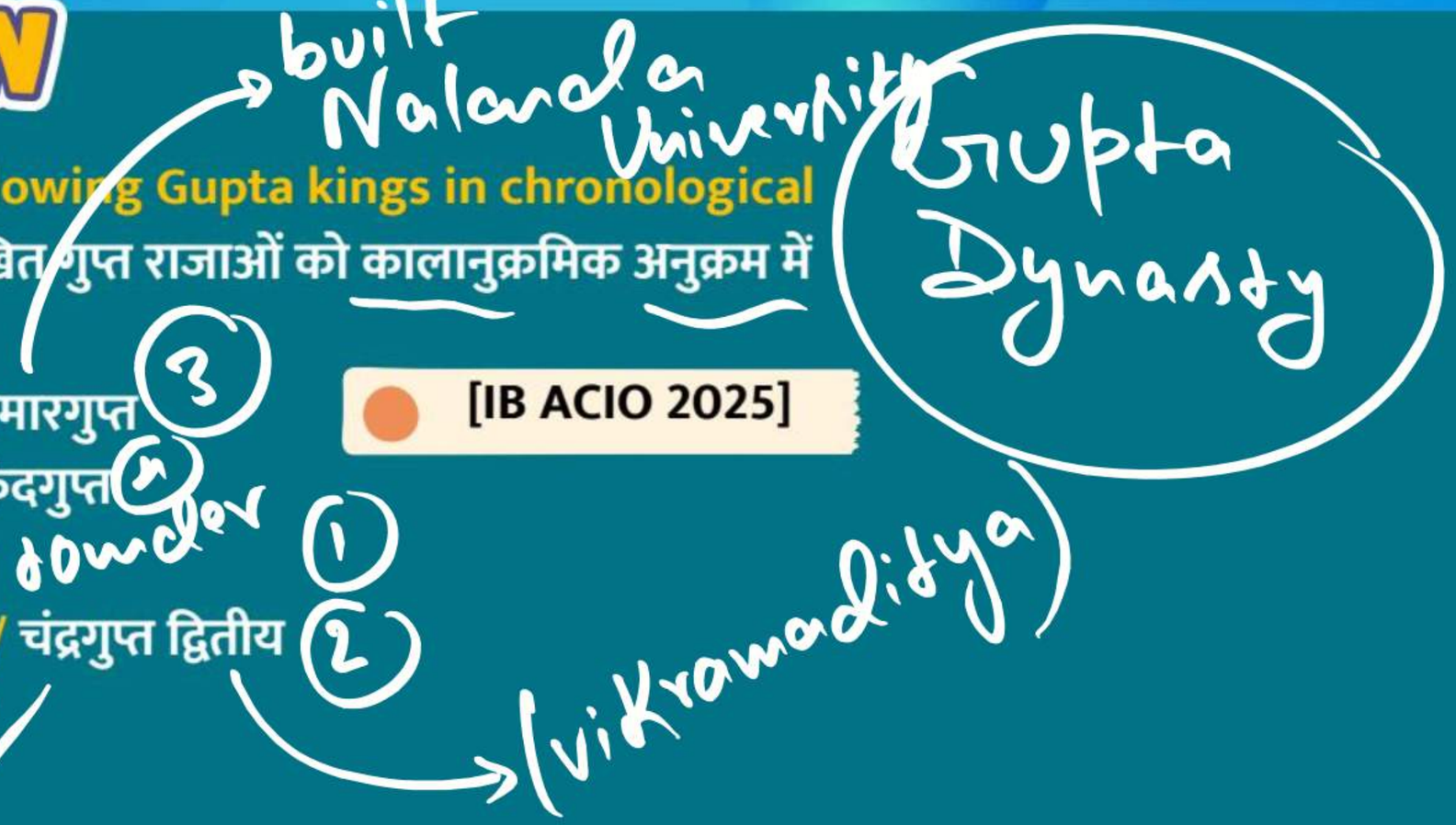

SOLUTION

Correct Answer is 3, 4, 1, 2

- Sri Gupta → Chandragupta II → Kumaragupta I → Skandagupta.
- श्रीगुप्त → चंद्रगुप्त द्वितीय → कुमारगुप्त प्रथम → स्कंदगुप्त।
- Sri Gupta is considered the founder of the Gupta dynasty. / श्रीगुप्त को गुप्त वंश का संस्थापक माना जाता है।
- He was succeeded by Chandragupta II (Vikramaditya), who expanded the empire to its zenith. / उनके बाद चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) ने शासन किया, जिन्होंने साम्राज्य का विस्तार अपने चरमोत्कर्ष तक किया।

SOLUTION

- After Chandragupta II, his son Kumaragupta I ascended the throne./ चंद्रगुप्त द्वितीय के बाद, उनके पुत्र कुमारगुप्त प्रथम गद्दी पर बैठे।
- Kumaragupta I was followed by his son Skandagupta, who successfully repelled the invasions of the Huns. /कुमारगुप्त प्रथम के बाद उनके पुत्र स्कंदगुप्त ने शासन किया, जिन्होंने हूणों के आक्रमणों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।
- This sequence marks the rise and peak of the Gupta Empire's power. / यह क्रम गुप्त साम्राज्य की शक्ति के उदय और शिखर का प्रतीक है।

Question

Q2. Which Gupta ruler is known as the 'Napoleon of India' for his extensive conquests?

किस गुप्त शासक को उसके व्यापक विजय अभियानों के लिए 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता है?

[SSC CGL 2020 / IB SA 2025]

A. Samudragupta / समुद्रगुप्त

B. Skandagupta / स्कंदगुप्त

C. Chandragupta I / चंद्रगुप्त प्रथम

D. Chandragupta II / चंद्रगुप्त द्वितीय

SOLUTION

Correct Answer is Samudragupta

- **Samudragupta (335-375 CE) is known as the 'Napoleon of India'.** /समुद्रगुप्त (335-375 ई.) को 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता है।
- **This title was given by the famous historian V.A. Smith due to his extensive military campaigns and conquests.** / यह उपाधि प्रसिद्ध इतिहासकार वी.ए. स्मिथ ने उनके व्यापक सैन्य अभियानों और विजय अभियानों के कारण दी थी।

Main Titles of Samudragupta:/ समुद्रगुप्त की प्रमुख उपाधियाँ:

1. **Maharajadhiraja – King of Kings/** महाराजाधिराज - राजाओं का राजा
2. **Sarvabhauma – Emperor of the entire earth,** सार्वभौम - संपूर्ण पृथ्वी का सम्राट
3. **Aśvamedha Parakramah – Performer of the Ashwamedha sacrifice/** अश्वमेध पराक्रम - अश्वमेध यज्ञ के कर्ता

SOLUTION

4. Kaviraja – King among poets (because he was a skilled musician and poet) / कविराज – कवियों में राजा (क्योंकि वे एक कुशल संगीतकार और कवि थे)

5. Lichchhavi-dauhitra – Grandson of a Lichchhavi (through his mother Kumaradevi) / लिच्छवि-दौहित्र – एक लिच्छवि के पौत्र (अपनी माता कुमारदेवी के माध्यम से)

- These titles appear in his coins and the Allahabad Pillar Inscription, highlighting his greatness as a conqueror, patron of arts, and ideal ruler. / ये उपाधियाँ उनके सिक्कों और इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख में दिखाई देती हैं, जो एक विजेता, कला के संरक्षक और आदर्श शासक के रूप में उनकी महानता को उजागर करती हैं।
- The Gupta coins are among the finest examples of ancient Indian art and numismatics. They often depict Gupta rulers with detailed portraits and symbolic scenes./ गुप्तकालीन सिक्के प्राचीन भारतीय कला और मुद्राशास्त्र के उत्कृष्टतम उदाहरणों में से हैं। इनमें अक्सर गुप्त शासकों के विस्तृत चित्र और प्रतीकात्मक दृश्य अंकित होते हैं।

SOLUTION

Here's what the pictures on Gupta coins usually show:
गुप्तकालीन सिक्कों पर आमतौर पर ये चित्र दिखाई देते हैं:

1. Chandragupta I: Shown with his queen Kumaradevi — symbolizing the Gupta–Lichchhavi alliance.
चंद्रगुप्त प्रथम: अपनी रानी कुमारदेवी के साथ - गुप्त-लिच्छवि गठबंधन का प्रतीक।

2. Samudragupta: Depicted playing the veena (lyre) on his coins — showing his love for music and art; other coins show him performing the Ashwamedha Yajna./ समुद्रगुप्त: उनके सिक्कों पर वीणा बजाते हुए चित्र - संगीत और कला के प्रति उनके प्रेम को दर्शाते हैं; अन्य सिक्कों पर उन्हें अश्वमेध यज्ञ करते हुए दिखाया गया है।

3. Chandragupta II (Vikramaditya): Shown as a warrior with bow and arrow or lion-slayer — symbolizing valor and imperial power.
चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य): धनुष-बाण धारण किए योद्धा या सिंह-हत्यारे के रूप में - वीरता और शाही शक्ति का प्रतीक।

6 type of Coin(Gold)

SOLUTION

4. Kumaragupta I: Depicted with peacock (his emblem) or as Kartikeya — representing bravery.
कुमारगुप्त प्रथम: मोर (उनके प्रतीक चिन्ह) या कार्तिकेय के रूप में - बहादुरी का प्रतीक।

5. Skandagupta: Shown as a warrior defeating enemies — highlighting defense against the Hun invasion.
स्कंदगुप्त: शत्रुओं को पराजित करते योद्धा के रूप में - हूण आक्रमण के विरुद्ध रक्षा को दर्शाते हुए।

All these portraits were struck on gold coins (Dinars) and sometimes on silver coins, representing both royal power and divine association.
ये सभी चित्र सोने के सिक्कों (दीनार) और कभी-कभी चांदी के सिक्कों पर अंकित किए जाते थे, जो शाही शक्ति और दैवीय संगति दोनों का प्रतिनिधित्व करते थे।

Question

Q3. Consider the following statements and select the correct answer from the code given below:

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर का चयन करें:

1. Vikram Samvat began in 58 BC. / विक्रम संवत 58 ईसा पूर्व में शुरू हुआ।
2. Saka Samvat began in 78 AD. / शक संवत 78 ईसवी में शुरू हुआ।
3. Gupta era began in 319 AD. / गुप्त युग 319 ईसवी में शुरू हुआ।
4. The era of Muslim rule in India began in 1192 AD. / भारत में मुस्लिम शासन का युग 1192 ईसवी में शुरू हुआ।

[U.P.P.C.S (Pre) 2011]

A. 1 and 2 / 1 और 2

B. 3 and 4 / 3 और 4

C. 1, 2 and 3 / 1, 2 और 3

D. 1, 2, 3 and 4 / 1, 2, 3 और 4

712 AD
Med. Bin Qasim

SOLUTION

Correct Answer is 1, 2 and 3

- Vikram Samvat began in 57/58 BC, established by King Vikramaditya, and is an important Hindu luni-solar calendar./ विक्रम संवत 57/58 ईसा पूर्व में शुरू हुआ, जिसकी स्थापना राजा विक्रमादित्य ने की थी और यह एक महत्वपूर्ण हिंदू चंद्र-सौर कैलेंडर है।
- Saka Samvat started in 78 AD under Kushan ruler Kanishka and is India's national calendar. / शक संवत 78 ईस्वी में कुषाण शासक कनिष्क के शासनकाल में शुरू हुआ और यह भारत का राष्ट्रीय कैलेंडर है।
- Saka Samvat was adopted as India's national calendar in 1957./ शक संवत को 22 मार्च 1957 में भारत के राष्ट्रीय कैलेंडर के रूप में अपनाया गया था।

SOLUTION

- Gupta Era commenced in 319 AD under Chandragupta I, founder of the Gupta Empire, known as the 'Golden Age'. / गुप्त युग 319 ईस्वी में गुप्त साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त प्रथम के शासनकाल में शुरू हुआ, जिसे 'स्वर्ण युग' के रूप में जाना जाता है।
- The fourth statement is incorrect because the era of Muslim rule in India actually began with Muhammad bin Qasim's conquest of Sindh in 712 AD. / चौथा कथन गलत है क्योंकि भारत में मुस्लिम शासन का युग वास्तव में 712 ईस्वी में मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध पर विजय के साथ शुरू हुआ था।

Question

Q4. Read the following statements carefully:
निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

1. Gupta Emperors claimed divine rights for themselves.
   गुप्त सम्राटों ने खुद को दिव्य अधिकार का दावा किया
2. Their administration was highly centralized.
   उनका प्रशासन अत्यधिक केंद्रित था
3. They extended the tradition of land grants.
   उन्होंने भूमि अनुदान की परंपरा को बढ़ावा दिया

Answer on the basis of the following codes:/
निम्नलिखित कोड के आधार पर उत्तर दें:

A. 1, 2 and 3 are true / 1, 2 और 3 सही हैं
B. 1 and 2 are true / 1 और 2 सही हैं
C. 1 and 3 are true / 1 और 3 सही हैं
D. 2 and 3 are true / 2 और 3 सही हैं

[Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2008]

SOLUTION

Correct Answer is 1 and 3 are true

- Gupta emperors claimed divine rights for themselves by adopting titles like 'Parambhagavata' (devotee of Vishnu) and 'Maharajadhiraja'. / गुप्त सम्राटों ने 'परमभागवत' (विष्णु भक्त) और 'महाराजाधिराज' जैसी उपाधियाँ धारण करके अपने लिए दैवीय अधिकारों का दावा किया।

- During the Gupta period, land grants became a common administrative and religious practice. These grants were made to Brahmins, scholars, temples, and officials and were often recorded on copper plates. / गुप्त काल के दौरान, भूमि अनुदान एक सामान्य प्रशासनिक और धार्मिक प्रथा बन गई। ये अनुदान ब्राह्मणों, विद्वानों, मंदिरों और अधिकारियों को दिए जाते थे और अक्सर ताम्रपत्रों पर दर्ज किए जाते थे।

SOLUTION

- The grants were called “Agrahara” when given to Brahmins./ ब्राह्मणों को दिए जाने वाले अनुदानों को "अग्रहार" कहा जाता था।
- They were usually tax-free (Akshaya Nivi) and hereditary. / ये अनुदान आमतौर पर कर-मुक्त (अक्षय निवि) और वंशानुगत होते थे।
- The land included rights over revenue, produce, and administration. / भूमि में राजस्व, उपज और प्रशासन पर अधिकार शामिल थे।
- These grants promoted Brahmanism, education, and religious institutions, but over time also led to feudal tendencies and weakening of central authority. / इन अनुदानों ने ब्राह्मणवाद, शिक्षा और धार्मिक संस्थाओं को बढ़ावा दिया, लेकिन समय के साथ सामंती प्रवृत्तियों को भी बढ़ावा दिया और केंद्रीय सत्ता को कमजोर किया।
- The Damodarpur copper plate inscriptions mention such grants made by Gupta rulers. / दामोदरपुर ताम्रपत्र शिलालेखों में गुप्त शासकों द्वारा दिए गए ऐसे अनुदानों का उल्लेख है।

Question

Q5. With reference to forced labour (Vishti) in India during the Gupta period, which one of the following statements is correct?
गुप्त काल में भारत में बलात् श्रम (विष्टि) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

[I.A.S. (Pre) 2019]

A. It was considered a source of income for the state, a sort of tax paid by the people / इसे राज्य की आय का एक स्रोत माना जाता था, लोगों द्वारा दिया जाने वाला एक प्रकार का कर

B. It was totally absent in the Madhya Pradesh and Kathiawar regions of the Gupta Empire / यह गुप्त साम्राज्य के मध्य प्रदेश और काठियावाड़ क्षेत्रों में पूरी तरह से अनुपस्थित था

C. The forced labourer was entitled to weekly wages / बलात् श्रमिक को साप्ताहिक वेतन मिलता था

D. The eldest son of the labourer was sent as the forced labourer / श्रमिक के सबसे बड़े पुत्र को बलात् श्रमिक के रूप में भेजा जाता था

SOLUTION

Correct Answer is It was considered a source of income for the state, a sort of tax paid by the people

- During the Gupta period, Vishti was a form of forced labour exacted by the state from the people./ गुप्त काल में, विष्टि राज्य द्वारा लोगों से लिया जाने वाला एक प्रकार का जबरन श्रम था।
- It was considered as an important source of revenue for the state and was regarded as a type of tax. / इसे राज्य के राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता था और इसे एक प्रकार का कर माना जाता था।
- Junagarh inscription mentions Vishti as one form of tax, which indicates that it was imposed in Gujarat and Malwa region. / जूनागढ़ अभिलेख में विष्टि का उल्लेख एक प्रकार के कर के रूप में मिलता है, जिससे पता चलता है कि इसे गुजरात और मालवा क्षेत्र में लगाया जाता था।
- Vishti could be imposed on anyone, not in particular on eldest son only. / विष्टि किसी पर भी लगाया जा सकता था, विशेष रूप से केवल ज्येष्ठ पुत्र पर नहीं।

जूनागढ़ अभिलेख

Question

2143

Q6. Match List-I with List-II / सूची-I को सूची-II से मिलान करें

List-I (Emperor) / सूची-I (सम्राट)	List-II (Titles) / सूची-II (उपाधियाँ)
A. Ashoka / अशोक	1. Parakramank / पराक्रमांक
B. Samudragupta / समुद्रगुप्त	2. Priyadarsin / प्रियदर्शिन
C. Chandragupta-II / चंद्रगुप्त-II	3. Kramaditya / क्रमादित्य
D. Skandagupta / स्कंदगुप्त	4. Vikramaditya / विक्रमादित्य

[U.P.P.C.S. (Re. Exam) (Pre) 2015]

A. 1 2 3 4
B. 3 2 1 4
C. 2 1 4 3
D. 4 3 2 1

SOLUTION

Correct Answer is 2 1 4 3

- The Mauryan emperor Ashoka is known by the title 'Priyadarsin', which appears in his inscriptions. / मौर्य सम्राट अशोक को 'प्रियदर्शिन' की उपाधि से जाना जाता है, जो उनके शिलालेखों में मिलती है।
- The Gupta emperor Samudragupta is referred to as 'Parakramank' on his coins, reflecting his military conquests./ गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त को उनके सिक्कों पर 'पराक्रमांक' कहा गया है, जो उनकी सैन्य विजयों को दर्शाता है।
- Chandragupta-II earned the title 'Vikramaditya', symbolizing the cultural prosperity during his reign./ चंद्रगुप्त द्वितीय ने 'विक्रमादित्य' की उपाधि प्राप्त की, जो उनके शासनकाल के दौरान सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है।
- Skandagupta is associated with the title 'Kramaditya', highlighting his role in defending the Gupta Empire during crises. / स्कंदगुप्त को 'क्रमादित्य' की उपाधि से जोड़ा जाता है, जो संकटों के दौरान गुप्त साम्राज्य की रक्षा में उनकी भूमिका को दर्शाता है।

SOLUTION

1. Allahabad Pillar Inscription (Prayag Prashasti)

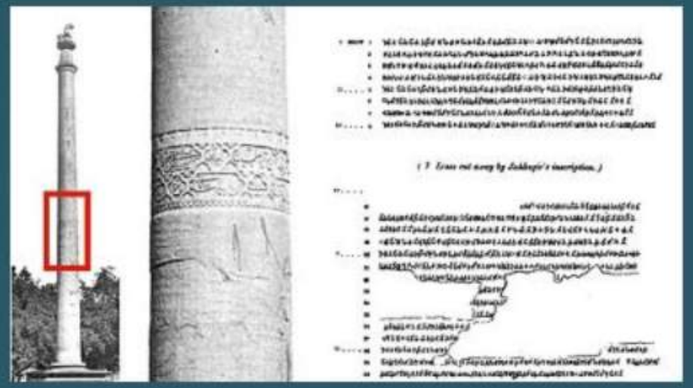

- Ruler: Samudragupta
- Author: Harisena
- Language: Sanskrit
- Content: Military conquests, policies, personality of Samudragupta — called “Napoleon of India.”

1. इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख (प्रयाग प्रशस्ति)

- शासक: समुद्रगुप्त
- लेखक: हरिषेण
- भाषा: संस्कृत
- विषयवस्तु: सैन्य विजय, नीतियाँ, समुद्रगुप्त का व्यक्तित्व — जिसे "भारत का नेपोलियन" कहा जाता है।

SOLUTION

2. Mehrauli Iron Pillar Inscription

- Ruler: Chandragupta II (Vikramaditya)
- Language: Sanskrit
- Content: Praises king's valor and victories; pillar famous for rust-free iron.

2. महरौली लौह स्तंभ शिलालेख

- शासक: चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य)
- भाषा: संस्कृत
- विषयवस्तु: राजा की वीरता और विजयों का गुणगान; यह स्तंभ जंग-रहित लोहे के लिए प्रसिद्ध है।

SOLUTION

3. Eran Inscription

- Ruler: Bhanugupta
- Language: Sanskrit
- Content: Mentions battle with Hunas; earliest reference to Sati system.

3. एरण शिलालेख

- शासक: भानुगुप्त
- भाषा: संस्कृत
- विषयवस्तु: हूणों के साथ युद्ध का उल्लेख; सती प्रथा का सबसे पहला उल्लेख।

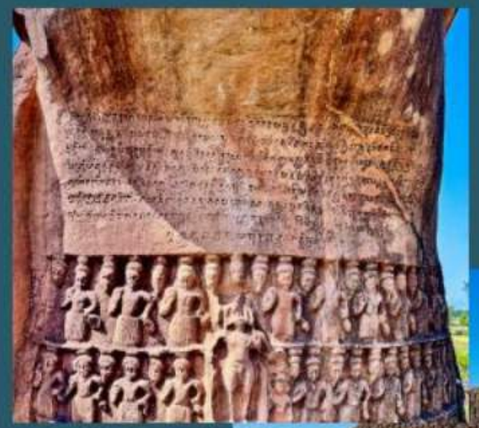

SOLUTION

4. Damodarpur Copper Plate Inscriptions

- Rulers: Kumaragupta I, Budhagupta, and others
- Language: Sanskrit
- Content: Records land grants to Brahmins and officials; gives details of administration.

4. दामोदरपुर ताम्रपत्र शिलालेख

- शासक: कुमारगुप्त प्रथम, बुधगुप्त, और अन्य
- भाषा: संस्कृत
- विषयवस्तु: ब्राह्मणों और अधिकारियों को दिए गए भूमि अनुदानों का अभिलेख; प्रशासन का विवरण।

SOLUTION

5. Bhitari Pillar Inscription

- Ruler: Skandagupta
- Language: Sanskrit
- Content: Describes victory over Hun invaders and restoration of Gupta power.

5. भितरी स्तंभ शिलालेख

- शासक: स्कंदगुप्त
- भाषा: संस्कृत
- विषयवस्तु: हूण आक्रमणकारियों पर विजय और गुप्त सत्ता की पुनर्स्थापना का वर्णन।

Question

Q7. The Prayag Prashasti, composed by Harishena, provides information about the reign of which Gupta ruler?

हरिषेण द्वारा रचित प्रयाग प्रशस्ति किस गुप्त शासक के शासनकाल के बारे में जानकारी प्रदान करती है?

[IB SA 2025]

A. Kumaragupta I / कुमारगुप्त प्रथम

B. Samudragupta / समुद्रगुप्त

C. Srigupta / श्रीगुप्त

D. Chandragupta II / चंद्रगुप्त द्वितीय

SOLUTION

Correct Answer is Samudragupta

- The Gupta period is considered the Golden Age of Indian history, witnessing remarkable progress in art, literature, and science. / गुप्त काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग माना जाता है, जिसने कला, साहित्य और विज्ञान में उल्लेखनीय प्रगति की।
- The Prayag Prashasti, also known as the Allahabad/ Prayagraj Pillar Inscription, provides detailed information about the reign of the great Gupta ruler Samudragupta (Napoleon of India) (335-375 CE). / प्रयाग प्रशस्ति, जिसे इलाहाबाद/प्रयागराज स्तंभ शिलालेख के नाम से भी जाना जाता है, महान गुप्त शासक समुद्रगुप्त (भारत के नेपोलियन) (335-375 ई.) के शासनकाल के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती है।

SOLUTION

- This eulogy was composed by his court poet Harishena and is inscribed on Ashoka's pillar. / यह प्रशस्ति उनके दरबारी कवि हरिषेण द्वारा रचित थी और अशोक के स्तंभ पर अंकित है।

- The fers viraj' (King of Poets), indicating his interest in arts and music. / प्रयाग प्रशस्ति में समुद्रगुप्त को 'कविराज' (कवियों का राजा) कहा गया है, जो कला और संगीत में उनकी रुचि को दर्शाता है।

SOLUTION

- The inscription also provides information about the Gupta's patronage of Vedic traditions and Brahmanical religion./ यह शिलालेख गुप्त वंश द्वारा वैदिक परंपराओं और ब्राह्मण धर्म के संरक्षण के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है।
- Samudragupta performed the Ashvamedha Yajna (Horse sacrifice), which is mentioned in this Prashasti. / समुद्रगुप्त ने अश्वमेध यज्ञ (घोड़े की बलि) किया था, जिसका उल्लेख इस प्रशस्ति में मिलता है।
- Srigupta was the founder of the Gupta dynasty. / श्रीगुप्त गुप्त वंश के संस्थापक थे।
- Nalanda University was established during Kumaragupta I's reign. / नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त प्रथम के शासनकाल के दौरान हुई थी।

Question

Q8. Who among the following kings of the Gupta dynasty married the Lichchhavi princess (Kumari devi)?
गुप्त वंश के निम्नलिखित राजाओं में से किसने लिच्छवी राजकुमारी (कुमारी देवी) से विवाह किया?

[RPF SI 2024]

A. Chandra Gupta II / चंद्रगुप्त द्वितीय
B. Chandra Gupta I / चंद्रगुप्त प्रथम
C. Samudra Gupta / समुद्रगुप्त
D. Kumara Gupta / कुमारगुप्त

Lichwi Dauhitra Title

SOLUTION

Correct Answer is Chandra Gupta I

- Chandra Gupta I married the Lichchhavi princess, Kumaradevi. / चन्द्रगुप्त प्रथम ने लिच्छवि राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया।

- The Lichchhavis were a famous and powerful republic, and through this alliance, Chandra Gupta I gained their military strength and prestige./ लिच्छवि एक प्रसिद्ध और शक्तिशाली गणराज्य थे, और इस गठबंधन के माध्यम से, चन्द्रगुप्त प्रथम ने अपनी सैन्य शक्ति और प्रतिष्ठा प्राप्त की।

SOLUTION

- Ramagupta’s wife was Dhruvadevi, who later became the queen of his brother Chandragupta II (Vikramaditya). / रामगुप्त की पत्नी ध्रुवदेवी थीं, जो बाद में उनके भाई चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) की रानी बनीं।
- Pataliputra was the capital of Chandra Gupta II. / पाटलिपुत्र चन्द्रगुप्त द्वितीय की राजधानी थी।
- The famous play 'Abhijnanashakuntalam' written during the Gupta period is the work of Kalidasa / गुप्त काल में रचित प्रसिद्ध नाटक 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' कालिदास की रचना है।

Question

Q9. Which of the following offices was NOT held by the poet Harishena?

निम्नलिखित में से कौन-सा पद कवि हरिषेण द्वारा धारण नहीं किया गया था?

[SSC CGL 2022]

A. Sandhi-vigrahika / संधि-विग्रहिका
B. Maha-danda-nayaka / महा-दंड-नायक
C. Nagara-shreshthi / नगर-श्रेष्ठि
D. Kumar-amatya / कुमार-अमात्य

SOLUTION

Correct Answer is Nagara-shreshthi

- The poet Harishena was a prominent figure in the court of Samudragupta, a ruler of the Gupta Empire. / कवि हरिषेण गुप्त साम्राज्य के शासक समुद्रगुप्त के दरबार में एक प्रमुख व्यक्ति थे।
- He composed the Allahabad Pillar Inscription (Prayag Prashasti), which details Samudragupta's achievements. / उन्होंने इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख (प्रयाग प्रशस्ति) की रचना की, जिसमें समुद्रगुप्त की उपलब्धियों का विवरण है।
- Harishena held important offices such as Sandhi-vigrahika (minister for peace and war) Maha-danda-nayaka (Chief Commander), and Kumar-amatya (Minister for Princes). the position of Nagara-shreshthi referred to the chief banker or merchant of a city./ हरिषेण ने संधि-विग्रहिक (शांति और युद्ध मंत्री), महा-दंड-नायक (मुख्य सेनापति) और कुमार-अमात्य (राजकुमारों के मंत्री) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। नगर-श्रेष्ठि का पद किसी शहर के मुख्य बैंकर या व्यापारी को संदर्भित करता था।